**भारत सरकार**

**रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय**

**औषध विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 833**

**दिनांक 30 जुलाई, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**औषधि विकास में एआई का उपयोग**

**833. श्री बी. पार्थसारधी रेड्डीः**

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार औषधि विकास में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग को शामिल करने की योजना बना रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने भेषज क्षेत्र में एआई प्रौद्योगिकियों के विकास और उपयोग में सहायता प्रदान करने के लिए कोई पहल की है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) क्या सरकार औषधि विकास में एआई का उपयोग करने हेतु भेषज क्षेत्र के पेशेवरों को प्रशिक्षित करने के लिए कोई उपाय करने की योजना बना रही है?

**उत्तर**

**रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री (सुश्री अनुप्रिया पटेल)**

**(क) से (ङ.):** जी, हां। औषध विभाग ने फार्मा-मेडटेक क्षेत्र (पीआरआईपी) योजना में अनुसंधान एवं नवाचार के संवर्धन के माध्यम से आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के क्षेत्रों सहित इस क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए हैं। इसके अतिरिक्त, औषध विभाग के तत्वावधान में नाईपरों ने अपने पाठ्यक्रमों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संबंधित विषयों को शामिल किया है और वे औषधीय क्षेत्र के लिए इन क्षेत्रों में मानव संसाधन क्षमता निर्माण के लिए एआई-आधारित उपकरणों में छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। साथ ही, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) इन क्षेत्रों के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने के लिए बायोटेक क्षेत्र, विशेष रूप से स्वास्थ्य परिचर्या और कृषि क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित अनुसंधान कार्यकलापों का सहयोग भी करता है।

*****